Om Shanti
01.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, सर्व समर्पण हो जाओ ... अर्थात् आप बच्चों के पास जो कुछ भी है, सब (बुद्धि से) परमात्मा बाप को सौंप दो...।

मैं और मेरेपन में रहने वाली आत्मा ना ही ज्ञानी है ... ना ही योगी ... और ना ही धारणा स्वरूप बन सकती है।

यदि किसी भी आत्मा के अन्दर minor सा भी मैं और मेरापन है, तो बाप-समान बनना असम्भव है।

इसलिए बच्चे, मैं और मेरा ... इसका त्याग करो...।

सूक्ष्म रीति स्वयं की checking करो और change करते जाओ ... निमित्त बन कर्म-व्यवहार में आओ, तब ही आप कर्म के प्रभाव से बचे रह सकते हो...।

जब भी किसी तरह की ज़िम्मेवारी स्वयं की समझते हो तो आप उसमें फँस जाते हो ... यदि उस कार्य की ज़िम्मेवारी कोई और सम्भाल लें, तो आप हल्के रह अन्य कार्य कर सकते हो...।

और यहाँ तो स्वयं भगवान, बाप बन, आप बच्चों की ज़िम्मेवारी उठाने आ गया...!
फिर आपका कर्तव्य केवल बाप के कार्य में सहयोगी बनना ही है ... और इतने बड़े कार्य में सहयोगी केवल ज्ञान स्वरूप ... योग स्वरूप ... और धारणा स्वरूप आत्मा ही बन सकती है...।

परमात्मा बाप के कार्य में सहयोगी आत्मा ही बाप-समान आत्मा है...।

जिस बच्चे को बाप पर 100% निश्चय है, वो ही सर्व समर्पण हो सकता है और बाप-समान बन सकता है...।

देखो बच्चे, इस समय बाप (परमात्मा शिव) केवल आप विशेष बच्चों के कल्याण के लिए ही आपको पढ़ाने आया है ... बस आप बाप पर निश्चय रखो।

देखो, भक्ति में भी गायन है कि "भगवान के घर देर है, अन्धेर नहीं ... जिस पर भगवान की नज़र है उसका कोई बाल भी बाँका नहीं कर सकता..." और यहाँ तो स्वयं भगवान आपका अपना बन गया ... भला कभी बाप अपने सपूत बच्चों का अकल्याण देख सकता है क्या...? नहीं ना...!

फिर बाप पर निश्चय रखो और बाप की knowledge को महीनता से समझ स्वयं की checking कर, change होते जाओ...।

अभी आप बच्चों को परमात्मा बाप का full सहयोग है।

फिर तो हल्के रहो, खुश रहो और उमंग-उत्साह के साथ, बाप के संग रह, अपनी मंज़िल तक पहुँचो...।

जो बच्चा इस समय बाप पर 100% निश्चय रख सर्व समर्पण हो चल रहा है, उसका हर कार्य समय से पहले होगा और अत्यधिक कल्याणकारी भी ... और जिस बच्चे के निश्चय में कमी है अर्थात् 'एक बल - एक भरोसा' नहीं है, उसका समय से पहले मंज़िल पर पहुँचना असम्भव है...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

**IMPORTANT POINT*

मैं और मेरेपन में रहने वाली आत्मा ना ही ज्ञानी है ... ना ही योगी ... और ना ही धारणा स्वरूप बन सकती है...।

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |

Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
02.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, अब वो समय आ गया है कि आप कुछ एक बच्चों के संकल्प से पुरानी दुनिया का विधिपूर्वक परिवर्तन और नई दुनिया की स्थापना का कार्य होगा, अर्थात् सभी आत्मायें ... चाहे वो अलौकिक हैं वा लौकिक दुनिया की..., सभी कल्प वृक्ष के अपने-अपने धर्म में नम्बरवार set होती जायेंगी ... और उसी अनुसार सतयुग में आयेंगी...।

इसलिए, इस समय मैं आपका बाप, आपके संकल्पों को ठीक रीति चलाने का direction दे रहा हूँ, ताकि आप अपना कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न कर सको, अर्थात् सम्पूर्ण रूप से सम्पन्न हो, बिना विघ्न के, अपना कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न करो...।

बाप आप बच्चों के एक-एक संकल्प को जानता है और उसे यह भी पता है कि जीवनमुक्त आत्मा ही सभी आत्माओं का कल्याण कर सकती है, अर्थात् जब तक आप स्वयं की, हर तरह की..., तन, मन, धन, सम्बन्ध-सम्पर्क की problem से बाहर नहीं निकलते, अर्थात् 100% निर्बन्धन बन सम्पन्न नहीं बन जाते, अर्थात् इच्छामुक्त नहीं बन जाते, अर्थात् 100% सन्तुष्ट आत्मा ही सभी आत्माओं के कल्याण के निमित्त बन सकती है...।

और साथ ही साथ एक ज्ञानवान, बुद्धिमान आत्मा ही विधिपूर्वक, युक्तियुक्त ढंग से अपना कार्य सम्पन्न कर सकती है।
क्योंकि यह कार्य कोई छोटा-मोटा कार्य नहीं है ... सभी आत्माओं को मुक्ति और जीवनमुक्ति का वर्सा देना है, वो भी नम्बरवार...।

बच्चे, बस अब बाप के एक-एक बोल पर निश्चय रखो।

इस समय आप तमोप्रधान दुनिया के according चलने वाली मन-बुद्धि की तरफ attention ना दे, बाप की बातों पर 100% निश्चय रख, खुशी-खुशी अर्थात् उमंग-उत्साह से आगे बढ़ो...।

आप बच्चों ने तो अभी तक त्याग और तपस्या ही की है, अब आपका बाप बस आपको आपकी seat पर set करने के बाद ... तन, मन, धन, सम्बन्ध-सम्पर्क ... किसी भी तरह की कोई भी problem आने ही नहीं देगा, क्योंकि आगे तो आनन्द ही आनन्द है...।

यह problems जो आपको अनुभव हो रही हैं, वो कुछ भी नहीं है। बस आपको अनुभवी मूर्त ही बना रही हैं ... और साथ ही साथ, इस समय जो directions आपको बाप दे रहा है, उसे अपनी बुद्धि रूपी तिजोरी में सम्भाल लो, ताकि आप उसे आने वाले समय में सफलतापूर्वक use कर सको...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

जीवनमुक्त आत्मा ही सभी आत्माओं का कल्याण कर सकती है, अर्थात् जब तक आप स्वयं की हर तरह की, तन, मन, धन, सम्बन्ध-सम्पर्क की problem से बाहर नहीं निकलते, अर्थात् 100% निर्बन्धन बन सम्पन्न नहीं बन जाते, अर्थात् इच्छामुक्त नहीं बन जाते, अर्थात् 100% सन्तुष्ट आत्मा ही सभी आत्माओं के कल्याण के निमित्त बन सकती है...।

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
03.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि सब कुछ transparent light है। चाहे वो तन के अन्दर है, चाहे बाहर...।

Transparent अर्थात् ... जो जैसा है, उसी रूप में प्रत्यक्ष हो जाना...। हर चीज़ original स्वरूप में सामने आ जाये - आप भी और पाँचों तत्व भी ... और इस drama के सारे रहस्य भी...।

जैसे-जैसे आपका यह अभ्यास natural होता जायेगा, आपके सामने स्वयं ही सब कुछ प्रत्यक्ष होता जायेगा।

किसी भी चीज़ की सच्चाई को सामने लाने के लिए पहले उसे प्रेम किया जाता है, फिर शक्ति दी जाती है ... और फिर उमंग-उत्साह बढ़ाया जाता है, तब ही वो अपने original स्वरूप में आने के

लिए अर्थात् सभी के सामने प्रत्यक्ष होने के लिए तैयार होती है ... और अभी तक तो दुनिया की हर चीज़ 2500 वर्ष से ही अपनी reality को भूली हुई थी, जो बाप (परमात्मा शिव) ने आकर पहले तो ज्ञान दिया, फिर आप बच्चों द्वारा सारा कार्य सम्पन्न करवाया ... और अब reality सामने आने का समय आ गया है।

बस, निश्चय रख, निश्चिन्त रहो, क्योंकि आपके संकल्पों का ही सारा प्रभाव है।

आप हो रचता, आपके अन्दर सब कुछ inbuilt है..., क्योंकि आप आत्मायें सबसे अधिक चमकदार अर्थात् numberone आत्मायें हो। बस, आप अपने गुणों और शक्तियों को use करना भूल गये हो...! अब जैसे-जैसे आपको स्मृति आती जायेगी, अर्थात् स्वयं के 100% स्मृति स्वरूप बनते ही, आपमें सारे गुण और सभी शक्तियाँ emerge रूप में आ जायेंगी।
फिर आप जैसा विश्व में कोई भी नहीं दिखेगा...!

देखो, मैं हूँ निराकार भगवान, जिसे हर कोई देख वा पहचान नहीं सकता। किन्तु आप बनोगे master भगवान, पूरे विश्व का कल्याण करने वाले, सम्मुख दिखने वाले, दुख हर्ता, सुख कर्ता...।

फिर बताओ, आपकी जयजयकार नहीं होगी, तो किसकी होगी...?
बस, आपके थोड़े से ही मन-बुद्धि द्वारा detach होते ही आपकी प्राप्तियाँ भरपूर होती जायेगी...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

किसी भी चीज़ की सच्चाई को सामने लाने के लिए पहले उसे प्रेम किया जाता है, फिर शक्ति दी जाती है ... और फिर उमंग-उत्साह बढ़ाया जाता है, तब ही वो अपने original स्वरूप में आने के लिए अर्थात् सभी के सामने प्रत्यक्ष होने के लिए तैयार होती है ...

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
04.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बाबा देख रहा था कि परिवर्तन का कार्य बहुत speed से चल रहा है। हर कोई अपना 100% दे भी रहा है और इच्छा भी एक ही है कि बस अब परिवर्तन हो जाना चाहिए...।

बच्चे, बाप की भी बस एक यही शुभ इच्छा है ... परन्तु बाप है knowledgeful, अर्थात् वो आप बच्चों को भी आप-समान बना रहा है।

Knowledgeful, अर्थात् आत्मा और प्रकृति के पाँचों ही तत्व के कार्य करने की विधि को भली-भांति जानता है, अर्थात् बाप को पता है आत्माओं को किस रीति परिवर्तन करना है ... और साथ ही साथ आत्मा के powerful, अर्थात् गुणों से भरपूर संकल्पों से प्रकृति अर्थात् इस शरीर का परिवर्तन किस तरह करवाना है...।

बस, बाप की एक-एक बात को समझ, इसे practical apply कर, अपने-अपने तन को सहज से सहज रीति परिवर्तन करो...।

(देह रूपी प्रकृति का परिवर्तन करना अर्थात ... अपने पाँच तत्वों से बने शरीर को पवित्र light समझ, पूरे तन में पवित्रतम् light अर्थात् गुणों और शक्तियों से भरपूर light को चलता हुआ महसूस करना...।)

बस, इस समय आपको अपनी समझ को practically use करना है।
जितना आप इसे use करोगे, उतना ही आप powerful result अनुभव करोगे...।

परमात्मा बाप की नज़र हर बच्चे पर है और बाप आपके एक-एक संकल्पों को जान उसी according आपको संकल्प दे रहा है...। बस आप हल्के रह एक-एक संकल्प को स्वयं पर practical apply करो। इसमें अलबेले मत बनना, फिर ज़िम्मेवार बाप है...।

बच्चे, हर कार्य को सहज समझ और सहज ही मानकर करो। देखो, मेहनत और मुश्किल word तो बाप (परमात्मा शिव) की dictionary अर्थात् मन-बुद्धि में भी नहीं है...!
तो आप भी तो बाप-समान बच्चे हो...!

बाप के पास आप बच्चों के लिए full planning है, फिर आप बार-बार यह क्यों सोचते हो कि परिवर्तन कब होगा...?
बस बच्चे, बाप पर निश्चय रखो। जब भी होगा केवल-केवल-केवल आप बच्चों के full कल्याण के निमित्त होगा।
औरों का कल्याण तो धीरे-धीरे होगा, परंतु सबसे पहले आनंदमय जीवन तो आप बच्चों का ही होगा ना...!

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

हर कार्य को सहज समझ और सहज ही मानकर करो। देखो, मेहनत और मुश्किल word तो बाप की dictionary अर्थात् मन-बुद्धि में भी नहीं है...! तो आप भी तो बाप-समान बच्चे हो...!

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
05.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, तमोप्रधान दुनिया के बीच रहते स्वयं को सतोप्रधान बनाने का कार्य चल रहा है और यह कार्य बहुत speed से अपनी मंज़िल की तरफ पहुँच रहा है।

यह समय ऐसा जा रहा है, जहाँ गुण रुपी शक्ति तो क्या, गुण भी नाम के, अर्थात् मुख के द्वारा गुण दिखाने के लिये अर्थात् नाम-मात्र के रह गये हैं और चारों तरफ आसुरी शक्ति ही रह गई है...!

ऐसे वातावरण में आप गुणों रुपी शक्ति को धारण करने के capable बनते जा रहे हो, अर्थात् दुनिया के लोग जितनी speed से नीचे जा रहे हैं, उससे कई अधिक ज्यादा speed से आप ऊपर की तरफ जा रहे हो।
जिस कारण, तमोप्रधानता का opposition आप बच्चों के लिये बढ़ता जा रहा है, अर्थात् वो स्थूल और सूक्ष्म कई रूप से आप बच्चों पर वार कर रही है, परन्तु परमात्मा बाप के बच्चों पर विजय पाना असम्भव है...।

बच्चे, आप स्वयं पर attention रखो। कोई भी कमज़ोर संकल्प आये तो उसे एक second में एक side में कर दो। कोई भी कमज़ोरी के संकल्प को स्वयं के पास मत रखो, अर्थात् ये मत सोचो अभी मैं 100% संतुष्ट या बाप-समान तो बना नहीं हूँ...!

बस आपको तो बार-बार स्वयं पर attention रखना है, अर्थात् जो संकल्प बाप दे रहे हैं उस पर attention देना है ... और जो संकल्प तमोप्रधानता के, बाहर से, अर्थात् विभिन्न रूप में आपके पास आ रहे हैं ... उसे side में करते जाना है ... अर्थात् *कुछ भी नहीं है...,* ऐसा सोच आगे बढ़ जाना है।

आप speed से आगे बढ़ रहे हो और सम्पन्नता के समीप हो। बस बाप पर निश्चय रखो।

जिन बच्चों के साथ परमात्मा बाप है उनकी विजय, सारी कायनात मिलकर भी रोक नहीं सकती...!

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

यह समय ऐसा जा रहा है, जहाँ गुण रुपी शक्ति तो क्या, गुण भी नाम के, अर्थात् मुख के द्वारा गुण दिखाने के लिये, अर्थात् नाम-मात्र के रह गये हैं और चारों तरफ आसुरी शक्ति ही रह गई है...!

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
06.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आखिर कब तक बाप तमोप्रधानता की speed को रोक कर रखेगा...? आप कब तैयार होंगे...?

बस बच्चे, अब आप न्यारे हो जाओ, अर्थात् आपके पास कोई भी छोटी, चाहे बड़ी किसी भी तरह की problem हो, उसे माया का वार समझ cross कर लो।

देखो, आप बच्चे युद्ध के मैदान में हो और जब तक आप सम्पूर्ण विजयी नहीं बन जाते, तब तक माया और प्रकृति मिल, आप बच्चों पर वार करती रहेगी।

किन्तु आप बच्चों को कोई भी तन की problem हो, मन में स्वयं की ही कमज़ोरी के संकल्प हों, धन ऊपर-नीचे हो, या सम्बन्ध-सम्पर्क की तरफ से या अन्य आत्मा की तरफ से कोई भी problem आये, या चारों ही तरफ से कोई भी परिस्थिति आये, तो उसे *"कुछ भी नहीं है..."* - ऐसा सोच, झट से stable हो जाओ।

देखो बच्चे, आप पाँच तत्वों से बने इस तन में और तमोप्रधानता के बीच रह रहे हो, तो आपको दिखेगा, सुनेगा और महसूस तो वो ही होगा जिस रूप में आपके पास आयेगा, परन्तु आपके *"कुछ भी नहीं है..."* - ऐसा संकल्प करते ही वो बात हल्की हो जायेगी...।

वैसे भी इस दुनिया में है भी क्या...? कीचड़ पट्टी ही तो है...। बस, मन से इससे बार-बार न्यारे होने का अभ्यास करते रहो ...

देखो, आप बच्चों की सारी ज़िम्मेवारी बाप की है ... परन्तु तब, जब आप अपने संकल्प ना चला बाप पर समर्पण हो जाते हो...।

बस, किसी भी बात में स्वयं की मन-बुद्धि ना चला, बाप के according अपनी मन-बुद्धि चलाओ, फिर तो आप बच्चों की विजय हुई ही पड़ी है...।

बच्चे, इस समय आपकी मन-बुद्धि पर माया और प्रकृति का भी बीच-बीच में प्रभाव पड़ जाता है। इसलिए conscious में आते ही, अर्थात् aware रह, स्वयं की मन-बुद्धि को बाप के according चलाने का attention रखते रहो।

जो करेगा, सो बनेगा ... अर्थात् इस समय बाबा केवल विजयी रत्न बनाने की ही पढ़ाई पढ़ा रहे हैं। केवल विजयी रत्न बच्चे ही परमात्मा बाप की पढ़ाई को सही रीति समझ अपने तन, मन, धन, सम्बन्ध-सम्पर्क या मन्सा, वाचा, कर्मणा को बाप के according use कर पाते हैं ... अर्थात् विजयी रत्न बच्चे ही बाप की पढ़ाई को महीनता से समझ, 100% निश्चयबुद्धि बन, स्वयं को 100% समर्पण कर पाते हैं।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

आप पाँच तत्वों से बने इस तन में और तमोप्रधानता के बीच रह रहे हो, तो आपको दिखेगा, सुनेगा और महसूस तो वो ही होगा जिस रूप में आपके पास आयेगा, परन्तु आपके "कुछ भी नहीं है..." - ऐसा संकल्प करते ही वो बात हल्की हो जायेगी...।

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
07.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप सब बच्चे स्वयं को बाप-समान बना रहे हो, जोकि एक बहुत ऊँची मंज़िल है। जिस पर आप अपनी power से ही पहुँच सकते हो ... और बाप आप बच्चों का

साथी, सहयोगी बन बहुत सहज रीति आपकी power के according, आपको आपकी मंज़िल तक पहुँचाता है, परन्तु चलना आपको ही पड़ता है...!

आप बच्चे जितना-जितना light का अभ्यास करते हो और बाप की याद में रहते हो, उतना ही आप बच्चों में powers आती जाती है..., जिससे सहज ही आप अपनी मंज़िल पर पहुँचते हो।

अब power भी कौन-सी...? स्वयं को check कर स्वयं के संस्कारों को बाप-समान बनाने की...।

इसके लिए पहले तो स्वयं को परिवर्तन करने की acceptance चाहिए, तभी तो आप अपनी योग-अग्नि के द्वारा अपने कठोर संस्कारों को जला, हर संस्कार को एकदम soft बना, स्वयं को बाप-समान बना लेते हो...।

देखो बच्चे, आप बच्चों का सम्पन्न स्वरूप (फरिश्ता स्वरूप) प्रेम से भरपूर है ... तो इस समय आप बच्चों को भी loveful बनना है। जितना-जितना loveful बनते जाओगे, उतना ही सहज होता जायेगा...।

बस बच्चे, स्वयं की बुद्धि ना चला, बाप की बुद्धि के according चलो..., जिससे सहज ही और बहुत ही जल्दी आप अपनी मंज़िल पर पहुँच जाओगे...।

आप अपने तन के मालिक हो और आपके सूक्ष्म से सूक्ष्म संकल्प का भी प्रभाव तन पर पड़ता है।

जितना आप flawless बनते हो, उतना ही आपका तन सहज ही flawless बन जाता है ... otherwise आप जितना मर्ज़ी योग लगाते रहो ... light का अभ्यास करते रहो ... किन्तु आपका एक भी सूक्ष्म-सा कठोर संस्कार, ना तो आपको आपकी मंज़िल तक पहुँचने देगा और ना ही आपका तन परिवर्तन होगा...।

बस, बाप की हर समझानी को सहज ही accept कर, स्वयं को परिवर्तन कर, परिवर्तन-कर्ता बन, विश्व-परिवर्तन का कार्य सम्पन्न करो...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

आप जितना-जितना light का अभ्यास करते हो और बाप की याद में रहते हो, उतना ही आप बच्चों में powers आती हैं..., स्वयं को check कर स्वयं के संस्कारों को बाप-समान बनाने की...। बस, स्वयं को परिवर्तन करने की acceptance चाहिए।

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
08.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बस आप वरदानी मूर्त बनने ही वाले हो, अर्थात् आपके हर बोल और संकल्प सिद्ध होने ही वाले हैं ... परन्तु उससे पहले आपको फुल knowledgeful होना पड़ेगा...,

अर्थात् आपको यह ज्ञान होना चाहिए कि मेरे अन्दर हर तरह की आत्मा के लिए, सूक्ष्म रीति स्नेह और सहयोग देने की भावना हो, ताकि वो अपना हिसाब-किताब सहज रीति चुक्तु कर अपनी मंज़िल पर पहुँच सके...।

आप instant किसी भी आत्मा पर उनके कर्म के according कोई भी stamp नहीं लगाओ..., अर्थात यह पागल है, यह ठीक नहीं हो सकता, यह धोखेबाज़ है या यह विकारी है...।

इस तरह किसी भी आत्मा के बारे में आपके अन्दर संकल्प ना आये, क्योंकि यह हिसाब-किताब clear करने का कहो या climax period कहो, ऐसा समय होने के कारण आत्मायें भिन्न-भिन्न part play कर रही हैं...। चाहे वो अन्दर खाते ,(internally) ऐसी नहीं हैं...।

देखो, बाप भी तो आपकी सारी कर्म कहानी जानता था।
फिर भी बाप ने आप बच्चों को भी पहचान, आप बच्चों को पढ़ाना शुरू किया ... क्योंकि बाप जानता था कि बच्चों पर समय और वातावरण का प्रभाव है। साथ ही साथ इन्हें हर तरह से अनुभवी मूर्त भी बनना है। इस कारण, बाप ने आपको अपनाया...।

देखो बच्चे, बाप त्रिकालदर्शी है। बाप सब जानता है, परन्तु साथ ही साथ बाप के अन्दर अर्थात् स्वभाविक ही बाप को हर बच्चे को देख रहम और प्रेम आता है ... जिस कारण, बाप को बच्चे के कर्म ना दिख, उनके प्रति शुभ और कल्याण की भावना ही निकलती है...। जो बच्चों को आगे बढ़ाने के निमित्त बन जाती हैं।

इस तरह, हर आत्मा के बुरे कर्मों को जानते हुए भी आपकी पहली भावना रहम और कल्याण की हो, फिर उनके कर्मों को देखो..., क्योंकि पहले संकल्प का ही प्रभाव पड़ता है...। इसलिए बाप आपके natural स्वभाव को परिवर्तन करने की पढ़ाई आपको पढ़ा रहा है ... और माया और प्रकृति भी indirect way से बाप की सहयोगी ही बन गई है।
जिससे आप परिपक्व बनते जा रहे हो...।

बस बच्चे, इस समय आप फुल powerful रहो ... और इस कार्य को संकल्प से सहज समझो, अर्थात् स्वयं को बाप की seat पर ही set समझो...। फिर तो कार्य सम्पन्न हो जायेगा...।

अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

आप instant किसी भी आत्मा पर उनके कर्म के according कोई भी stamp नहीं लगाओ..., अर्थात यह पागल है, यह ठीक नहीं हो सकता, यह धोखेबाज़ है या यह विकारी है...। आपके अन्दर हर तरह की आत्मा के लिए, सूक्ष्म रीति स्नेह और सहयोग देने की भावना हो, ताकि वो अपना हिसाब-किताब सहज रीति चुक्तु कर अपनी मंज़िल पर पहुँच सके...।

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
09.08.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, सब अच्छा है ... जो कुछ भी हो रहा है, सब अच्छा है ... सभी का कल्याण हो - जिन बच्चों के अन्दर यह संकल्प हैं, वो ही स्व-कल्याणी से विश्व-कल्याणी बन सकते हैं...।

शुभ भावना, शुभ कामना ... और हर आत्मा के प्रति और हर परिस्थिति में positive संकल्प होना बहुत ज़रूरी है...।
परन्तु साथ ही साथ drama की समझ होनी भी बहुत ज़रूरी है अर्थात् loveful के साथ-साथ lawful होना...।

जिस तरह, इस समय, बाप अपना part play कर रहा है, अर्थात् बच्चों को बाप-समान बनाने के लिए बाप का loveful के साथ-साथ lawful होना भी बहुत ज़रूरी है, क्योंकि आत्मायें कमज़ोर अर्थात् नम्बरवार होती हैं...।

इस समय स्थिरता के साथ-साथ समझ होना भी अति आवश्यक है, क्योंकि यह बिल्कुल तमोप्रधान दुनिया और तमोप्रधान आत्मायें हैं, इनके बीच रहते स्वयं की समझ के साथ ही अर्थात् हर आत्मा के साथ किस रीति adjust होना है, इस समझ के साथ ही आप सदा स्थिर रह सकते हो।

देखो बच्चे, teacher की पढ़ाई तो खत्म हो चुकी है, अर्थात् teacher का role खत्म हो चुका है ... किन्तु बाप अपने बच्चों को अपनी seat देने से पहले अर्थात् बाप का role finish कर, आपको बाप-समान बनाने से पहले आपको महीनता से समझानी दे रहा है, ताकि आप ठीक रीति अपनी ज़िम्मेवारी सम्भाल सको।

देखो बच्चे, बाबा अन्त तक आपके साथ रहेगा और अन्त में सतगुरु बन, अपने master सतगुरु बच्चों के साथ सारे विश्व का कल्याण कर घर (शान्तिधाम) चला जायेगा...।
अच्छा। ओम शांति।

**IMPORTANT POINT*

इस समय स्थिरता के साथ-साथ समझ होना भी अति आवश्यक है, क्योंकि यह बिल्कुल तमोप्रधान दुनिया और तमोप्रधान आत्मायें हैं, इनके बीच रहते स्वयं की समझ के साथ ही अर्थात् हर आत्मा के साथ किस रीति adjust होना है, इस समझ के साथ ही आप सदा स्थिर रह सकते हो।

****This content is preferably for the regular students of Brahma Kumaris' Institution.

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 | Tata Sky # 1065 | Airtel # 678 | Videocon # 497 |
Jio TV |

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 99710 90118, 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial